VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

# सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: तीन घंटे
*Time Allowed: **Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
*Maximum Marks: **250***

## सामान्य अनुदेश

*इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।*

*रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।*

*पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।*

## General Instructions

*This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.*

*For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.*

*On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.*

**(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)**

पंजीकरण सं./Registration No. : 277076

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : ASHUTOSH MISHRA

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

25-8-24

# सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
# GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre

Chhatarpur (MP)

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

| | महत्वपूर्ण अनुदेश | Important Instructions |
|---|---|---|
| | उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है। | **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.** |
| 1 | (क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।<br>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो। | (a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.<br>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet |
| 2 | अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो। | Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer. |
| 3 | परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें। | Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner. |
| 4 | उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है। | Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated. |
| 5 | उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है। | Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc. |
| 6 | प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें। | Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers. |
| 7 | प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। | Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated. |
| 8 | यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है। | If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued. |

| कार्यालय के प्रयोग हेतु<br>For Official Use | कार्यालय के प्रयोग हेतु<br>For Official Use |
|---|---|
| परीक्षक के हस्ताक्षर<br>Signature of Examiner(s) | |

**प्रासांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))**

| प्रश्न सं.<br>Q. No. | अंक<br>Marks | | प्रश्न सं.<br>Q. No. | अंक<br>Marks | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1(a) | | | 6 (a) | | |
| 1(b) | | | 6 (b) | | |
| 2(a) | | | 7 | | |
| 2(b) | | | 8 | | |
| 3(a) | | | 9 | | |
| 3(b) | | | 10 | | |
| 3(c) | | | 11 | | |
| 4(a) | | | 12 | | |
| 4(b) | | | | | |
| 5(a) | | | | | |
| 5(b) | | | | | |
| उप-योग (A)<br>Subtotal (A) | | | उप-योग (B)<br>Subtotal (B) | | |
| सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B) | | | | | |

# VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

# ABHYAAS MAINS

## सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

| | |
|---|---|
| निर्धारित समय: तीन घंटे<br>Time Allowed: **Three** Hours | अधिकतम अंक: **250**<br>Maximum Marks: **250** |

### प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

*कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:*

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

*प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।*

*प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।*

*प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।*

*प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।*

### QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

***Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:***

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

*The number of marks carried by a question/part is indicated against it.*

*Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.*

*Keep the word limit indicated in the questions in mind.*

*Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*

# EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

**Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:**

1.

2.

3.

4.

5.

6.

**All the Best**

VISION IAS

1. (a) साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Means will influence end products. Gandhiji also said one can't expect Mangoes after sowing Babools

How → Means determine nature of ends

1) Use of violence/war for achieving political objective
eg Pakistan's Strategy of terrorism – Now Epicentre of terrorism

2) Violation of environment for larger objective of development eg Deforestation
However, resulting → landslides, Flood, GLOF
⇓
Throwing back development.

3) Corruption/Bribe for growth of Material wealth.
However, Negative Socialization due to parents corruption on children → Gambling
⇓
Eroding that wealth.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(4) Karma doctrine

↳ emphasise that whatever means you employ, it will affect your ends

eg → Dyodhan karma of hatred → loss of Kauravs

(5) Use of good means.

eg → Gandhi's Satyagraha for freedom
↳ India emerged a successful, peaceful democracy

(6) Positive means for growth & prosperity

eg → Vivekananda's spiritual path for achievement of wellbeing.

However,
in some cases ends become important

1) Speaking of falsehood to saving life of Jews from Hitler's soldier → White lie

2) Yudhister's partial truth about Aswathama death.

Thus, when question comes on Human dignity Dharam over adharma then only such idea can be violated



VisionIAS

1. (b) चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Law and ethics relation is influenced in multiple ways. It is dynamic.

| Law | Ethics |
|---|---|
| → Objective in nature | → Subjective |
| → Do's and Don'ts | → It involve philosophical reasoning of what ought to be |

Dynamism / Shaped by society

1) Influence of ethics on laws

eg ↳ Illegality of section 377 based on ethics.

2) Ethics as guide for laws

eg During specific case of abortion where law is not clear.

3) Use of law to determine ethics.

eg Banning of Sati through govt act

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4) Use of ethics to give legitimacy to laws

eg> prevention of cruelty against animal based on nonviolence/love/care

5) Ethics helping in rejection of laws

eg> Gandhiji CDM movement against Salt law

6) Ethics helping in decision making based on legality eg> section 8 of RTI require understanding of ethics for PIO.

Shaped by societal change

1) privacy become right due to new ethics of individual autonomy.

2) Sabrimala became unethical due to constitutional right article 14

3) Recognition of rights of Transgender based on ethics.

Thus, this dynamism of both brings justice, and wellbeing in society



VisionIAS

2. (a) उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Probity comes from words "Probitas" which denotes being good. Integrity is consistency in thought, action and believe. Integrity is not doing corruption even when nobody is observing.

And probity is "confirmed integrity" in every sphere.

| Probity | Integrity |
|---|---|
| 1) Probity in all sphere of life<br>eg → Gandhi Ji<br>Similar attitude everywhere. | 1) It is uncorruptible attitude in governance but may not be uncorruptible in personal sphere<br>eg person → Man of integrity in administration but may practice social evil |

Role of probity/integrity in ethical gov | Decision Making

1) Avoiding corruption, nepotism in public sphere.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

② Following courage of conviction

eg T.N Sheshan's reform in Election.

③ Going beyond duties

eg HC Gurdhum Singh Ran 3KM to clean path for ambulance

④ Taking correct decisions in discretionary power.

⑤ Showing courage against difficult time

eg Doctors doing duty 24x7 During COVID

⑥ Raising voice against injustice

eg Satyendra Dubey lost his life in whistle blowing.

⑦ Serving poors through innovative ideas

eg Prashant Nair → Compassionate Kozhikode

⑧ Setting "highest standard of behavior"

eg IAS U A Sagayam → uncorruptible

These values help civil servants to remain committed even in adverse time

VisionIAS

2. (b) लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Transparency is like a disinfectant for corrupt administration. It must be practiced.

Ethical implications (for withholding info)

1) Scope for corruption / Nepotism
eg SC asked ECI to declare information of Electoral bond to avoid any scope of Quid pro quo.

2) Saving corrupt officers
eg Releasing wealth information of IAS officers may expose them.

3) Information is necessary to question government
eg RTI helped in raising corrupt act of MGNREGA in SANATPUR (Andhra

4) Exposing the loopholes of laws
eg Information in Pooja Khedkar case helped to identify its disqualification.

VisionIAS

(5) Information help in creating participatory governance

[eg] Sharing Draft bills for public opinion.

## Role of Transparency in enhancing accountability & reducing corruption

1) Role of right to information to question government org.

2) Press conference by Ministries → questioning government during COVID → Enhanced accountability

3) Questioning in parliament and Government reply helps in understanding current status

[eg] Govt reply → only 2 OBC and 1 ST in 79 secretary in 2020

4) E-governance and social audit helps in exposing corrupt act

[eg] Chhatarpur → Mauraha Panchyat – 60 crore corrupt act.

(5) Declaration of wealth in Election affidavits → chosing right candidate in election.

Thus, information with transparency ensure ethical governance < pro people governance.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Above statement emphasise on importance of (home and parents) as most important agent of socialisation

(Role of Home as best school)

1) Ensuring discipline in children

(eg) Setting sleep time → Night 9PM, Morning 4AM

2) Teaching customs, behaviours through festivals

(eg) celebration of Diwali, Teaching duty of Parents.

3) Teaching attitude of "Sharing and Caring"

(eg) Asking childrens, Siblings to share with each other

4) Modelling behaviour

(eg) Asking children to put a misplaced item at right place

5) Explaining stories about Shivaji, Vivekananda by Grandmother

↳ Developing courage

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Role of parents → Must important

1) Teaching ethical behaviour through socialisation
eg) Kunti's teaching to Pandava

2) Asking children to live a simplicity lifestyle
eg) putlibai impact on Gandhi

3) promoting children to pursue their own path
eg) Mirabai was promoted for spiritualism by his father.

4) Developing courage, bravery by becoming role model
eg) Rani laxmibai and Moropant Tambe (his Father)

5) Giving skills of fighting
eg) Tipu sultan from his father

That's why our veda say -
"Mata Devo Bhava, pita Devo Bhava"



VisionIAS

3. (b) "हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

It is argued that we should not complaint for outside problems rather solution lies in bringing change in himself. It will already bring change in world.

Effort for changing world but not himself

1) Hitler's atrocities against Jews guided with bring external change

2) British policy to bring change in lifestyle of Indian. They consider Indians as "barbarian"

3) Rise of violence/war
↳ To bring change in external arena (eg) (Ukrain war)

4) Achieving ~~mean~~ objective by asking others to change
(eg) Pakistan's approach towards India (But not changing his own attitude)

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

What is necessary → change himself

1) To bring freedom to India → Gandhi asked to follow "Truth", "Nonviolence", "controlling one's behaviour" → changing himself approach

2) Krishna asked Arjun in Kurukshetra to change his attitude towards his family, Follow Dharma → That will change in world.

3) Practicing virtue like "forgiveness" will end dispute, fights.

4) Changing one's lifestyle like conserving environment will bring change in climate change.

5) Change in societies nature for Gender Justice (Defeat Patriarchy)
⇓
world will change for women

That's why - Kabeer said
Bura Jo Dekhan Mai Chala, Bura Na Milya Koya
Jo Mai Jhanka Aapne, Mujhse Bura Na Koya.

VisionIAS

3. (c) "जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"To see what is right and not do it is a lack of courage." – Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

one should always do things which he considers as right. It require immense courage.

1) Whistle blowing against corrupt act.
Eg) S. Murugan raise voice against IOCL adulteration → Guided with courage.

2) Courage helps in following rights things during adverse time
Eg) Doctors came on duty in COVID despite fear of infection.

3) Not doing right thing will lead to destruction
Eg) Karna lacks moral courage in Kurukshetra war. Despite knowing Duryodhan's fault, he supported him.

4) Following rights is most supreme virtue only courage can ensure it.
Eg) Vibhisan's rejecting Ravana and going for Ram required great courage



VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(5) Serious implication if one lacks courage to stop unjust things

eg) People not raising voice against [mob lynching] → lead to "Banality of evil"

How can we promote courage to ensure rightful things

1) Socialisation → lakshmi bai learnt lesson of freedom and courage from his father.

2) Internalisation of "Dharma" → Helps in building courage

eg) Jatayu's attack on Ravan to save Sita was guided with Dharma

3) Promoting "Inner voice spirit" and "Crisis of conscience" → if one does not show courage against unjust things

eg) Taking bribe → Crisis of conscience → surrender to police → Require courage.

Thus, we must promote courage through above means

VisionIAS

4. (a) किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Positive attitude denotes having ethical, rational, flexible, tolerant, Hard working attitudes.

Role of factors

1) Socialisation → parenting values of "doing right things"
(eg) Yudhister in Mahabharat

2) Training/mentoring → Teaching "self accountabili"
(eg) Mission Karmyogi

3) Role of cinema/social media
(eg) Movie like 'Pathandabi', Harischandra
↳ Teaching positive values

4) Role of religion
(eg) Sikhism → "community ~~Food~~ lunger" → Teaching serving people

5) Role of Teachers
(eg) Dronacharya's influnce over Arjun's archery

6) Role of culture
(eg) India's pluralistic values develop a tolerant culture

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

## Enhance effectiveness of civil servants

1) Changing the "Mai-Baap" culture of government organization

2) welcoming "citizens" in public office through greetings

3) Serving citizens through innovative means
   (eg) Dantewada DM → Lunch with DM (for Tribal children)

4) Stringent action against corrupt act
   (eg) IAS V A Sayayana suspended 50 corrupt servants in one go.

5) Showing compassionate attitude
   (eg) -IAS INAyat Khan adopted 2 son of a Martyr of Pulwama

6) Yatha Raja Tatha praja
   ↳ Bringing change in work culture of organisation (eg) Isro workculture guided with positive attitude of leadership

Thus, it is "attitude what matters" in Public service. we must create positive attitude


VisionIAS

4. (b) चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Emotional intelligence denotes use of emotion for selfawareness, self regulation and social skills

Role of EI in ethical decision-making in allocation of scarce public resources

① prioritisation of wellbeing of poors over others
(eg) PDS system priority

② Empathy help in searching innovative means to reduce expenditure
(eg) Crowd funding

③ looking for those projects which are necessary for essential services
(eg) Building road and transport for rural area

Now, every private service can reach

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(4) Allocation of scarce land to poors over rich industrialist
↳ asking them to build capabilities

(5) Bank giving loans to those industries which will have multiplier effect
eg Self help group → Economic growth
→ Rural growth
→ Women empowerment

(6) Reducing expenditure through innovative means.
eg Spreading awareness → Not from big corporate advertisement
→ Rather → Boards behind Auto, Riksaw

Thus, EI helps in using public resources in most efficient way and getting work done

VisionIAS

5. (a) विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Multiple international humanitarian org. works with objective of protecting "Human Rights", "Human dignity" in conflict zone

Ethical challenges faced by such org

1) Threat to life of their own team
eg) Few UN worker lost life in Africa's terror attacks

2) Often people working in these org. prioritise their national interests over organizational interest.
eg) UN peace keeping mission → selective approach by countries

3) Violation of principle of UN org.
eg) UNRWA's worker were involved in terror attack against Israel

4) Maintaining neutrality and not getting geopoliticised in conflict is most important challenge

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

⑤ Poor funding by developed countries ⇒ Thus, failed efforts
(eg) UN peacekeeping oprn require developed countries supports

⑥ Business interest should not get prioritised in humanitarian action
(eg) countries sending aid in war torn countries as per their commercial priority.

Principles that guide

1) priority of "Human dignity" categorical imperative

2) Vasudhaiv Kutumbkam → helping each other
(Sarve Bhavantu Sukhina)

3) Rule of laws, Justice, peace, prosperity

4) Conflict at anywhere is threat to everywhere. Thus, global peace require support for well being of all

5) Doctrine of internationality

These principles act as force of Motivation for these org

VisionIAS

5. (b) अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Persuasion denotes "pursuading others" to bring change in their behavior, attitudes

Persuasion as impo. Skill for Civil Servants

- Bringing positive workculture in org
  (e) pursuading employee to practice self accountability
- Bringing change in Society
  (e) SBM → asking people to leave open defacation
- Implementing policy
  (e) Motivating Junior employee to work hard
- leaving "Mai baap" "elitist" attitude by org. require pursuasion
- Pursuading "Teams" to get enroll in one's vision
  (e) PM Modi's pursuading people for "Aatma Nirbhar Bharat"

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Key considerastion in governance for Pursuasion

1) Bringing "Positive, ethical change" only.

2) Pursuasion should with with respect, sensitivity (Not with force)

3) Use of emotive skill eg Darwaza Band Campaign by Amitabh Bachhan

4) Not using "irrational, superstitious" claim to pursuade
eg leave open dyachan, otherwise, you are inviting ghost in your home

5) Showing leadership, vision in pursuasion

6) peoples do not get pursuaded with exaggerative claims

These consideration will make pursuasion an effective strategy

VisionIAS

6. (a) विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"leadership is about transforming vision into reality"

Role of leadership in curbing corruption

1) yatha Raja, Tatha praja
↳ people follow their leaders. Thus, corruption should be removed from top.

2) practicing self accountability require change of attitude in leadership
(eg) Shastri resign after train accident.

3) leading Mass movement against unjust act
(eg) Gandhi's Satyagraha

4) Taking Stringent action against corrupt act (eg) VA Sayayam, IAS → action against corruption

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(5) Bringing change in Public org through change in work culture
eg) DM showing discipline in reaching office at fix 9am → other will follow

(6) Reward for honest and punishment for corrupt
eg) PM Modi giving reward for honest
1) Civil servants on civil servants day
2) 350 Civil servant took compulsory retirement in 2015-19

(7) Making rules, regulation by leadership to defeat corruption
eg) Stringent PMLA act

(8) Removing corruption from Electoral Funding will defeat corruption from everywhere – T.N Sheshan
(leadership is corrupt, everyone corrupt)

VisionIAS

6. (b) स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

He was figure of 19th century. He established "~~Abreeya~~ (Arya Samaj) & wrote "Satyarth Prakash"

Teaching of Dayanand Saraswati

1) Bring back vedic culture & value like equality, love, Brotherhood

2) Raising Marriage age of Girl

3) Helping Poors during disasters

4) Against caste system, ask society to reorient on "Varna System"

5) Brotherhood of people, Fatherhood of God

6) Leaving superstitious values

7) Adopting positive values of western culture (eg) Anglo ~~western~~ Dayanand schools



VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Relevance in addressing ethical/social challenges

1) vedic values will ensure human development, leaving excessive materialistic culture.

2) Addressing caste discrimination

3) Addressing communal nature of society

4) Teaching value of "Paropkar"

5) Controlling "Indriya" for self regulation

6) Rejecting superstitions and getting scientific temperament

7) Helping people during disasters like flood.

8) Achieving internal freedom through dhyan

Thus, these values will help in growing our society in positive direction

VisionIAS

7. मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

VisionIAS

(a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।

(b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?

(c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या ज़िम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

(a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.

(b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?

(c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words) 20

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

A org. can't considered be ethical, if it can't provide dignified workplace to its women employees.

Ethical dilemmas of Karan

1. His good carrer opportunities vs protecting his colleague by complaints

2. voice of conscience & Raise against injustice vs Protecting the privacy of Mariyam.

3. Raising war against evil (sexual harassment) vs Consent of Mariyam is necessary.

4. Positive change of the registered complaint in org. vs Negative impact on financial interest of Mariyam

VisionIAS

③ Options available

① Not registering complaint

② Registering complaint by himself without explaining Mariyam

③ Persuading Mariyam to register complaint

Chosen action

Option - 3

Reasons

1) Motivating Mariyam will require for his consent against unethical act

2) Explaining them, it will benefit entire org → you should become leader → Do not fear

3) True people will support in your cause.

4) POSH act provides every rights to protect your dignity

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(c) Responsibilities of org. in preventing sexual harrasment

1. Commerce w/o ethics is immoral.
2. Positive work culture will enhance productivity of employees
3. As per POSH act, org. have to groom its employees about its provisions
4. punishing of unethical conduct
   ↳ long term benefit for org
5. Tolerance towards sexual harrasment
   ↳ issues of slippery slope
6. Every individual, society, org should protect women dignity.

In this way, we must protect women respect. It is primary constitutional duty.



VisionIAS

(b) ~~Respon~~

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

8. जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

**(a)** शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।

**(b)** जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?

**(c)** जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.



VisionIAS

(a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.
(b) What option should Jay adopt and why?
(c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

This case study shows politicisation of Bureacracy for narrow interest

Ⓐ Options available to Jay

1) Approving the present list, as his transfer will stall other schemes

| Merit | Demerit |
|---|---|
| 1) No transfer and political pressure<br>2) He will continue to work on positive schem | 1) Crisis of Conscience<br>2) His org. may get exposed by some other → his reputation will lost<br>3) loss to org./Country |

② Rejecting the approval on list and leaking such information in media

| Merit | Demerit |
|---|---|
| ① Acting against corruption<br>② He may not get transferred due to expose | ① violating rules/regulation<br>② May face severe repurcussion |



VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) Rejecting approval and Communicating with Ministers / Chief minister, if require

| Merit | Demerit |
| --- | --- |
| 1) Rejecting corrupt act | 1) CM may favour minister |
| 2) CM may understand his concern, | 2) ~~[illegible]~~ he may get transferred |

[B] JAY's options

1) Rejecting approval on list
2) Communicating with ministers

- Explaining positive benefits of his efforts → good reputation in election
- There are sufficient evidences for corrupt act in recruitment → Even judiciary can take action → Thus, he should reject this recruitment.
- Explaining how ethics is important in politics
- Giving subtle threat that "I will oppose him", if he goes against me



VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) If minister does not listen
↳ Sending reports to CM | And explaining every positive/negatives of efforts.

[4] Finally, I will not give any approval will reject recruitment, whatsoever consequences will be

Reasons

1) Upholding highest standard is basic necessity in administration

2) Giving "yes" to corrupt act will lead to "crisis of conscience" / Slippery slope

3) Even in long term such corrupt will compromise with my govt. schemes / reputation of govt. administration for education

4) In long term, these unethical teachers would teach our children
↳ Society will go into crisis

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(c) How civil servants like Jay can be protected, when they uphold highest standard

1) Hota Committee recomm – → fixed 3 year tenure
→ No interference by Minister in transfer
→ civil service board for transfer
→ ombudsman, if any complaint.

2) TSR Subramaniyan case (SC) → civil service board for transfer
→ Minister should give in writing and record reasons for directive.

3) leadership → Honest civil servants should raise voice against unethical transfer

(E) UP government unjust action against IAS Durga Shakti Nagpal → many CS raised voices

4) Strong code of conduct for politician

5) Prakash Singh case guideline to reduce politicisation

In the end, courage of conviction will protect civil servants from unjust action.

VisionIAS

9. X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
(b) उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
(c) भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

(a) Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
(b) Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
(c) Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को
इस हाशिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

This is classic case of conflict between environment & Development

a) Ethical dilemma

1) protecting ecology VS providing development.

2) Political orders and pressure VS listing protestors, complaint

3) Environment as an end in itself VS Development is necessary for reducing air pollution, emission
(Deep ecology) (Shallow ecology)

4) Looking into interests of locals, tribals living in forests VS Interest of commuters taking high travelling time., congestion

5) Decision based upon senior instruction VS Decision based on aspiration of people (locals)

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

③ Options available

1) Giving "yes" to project without listening protestors

| Merit | Demerit |
| --- | --- |
| ① crowd infrastructure for people | ① protest may go violent |
| ② listening advice of political masters | ② cutting of forests |

② ~~Except~~ Rejecting approval to project and denying that I would not be able to complete (Seeking transfer

| Merit | Demerit |
| --- | --- |
| ① Ecocentricity | ① Running away from problems - attitude |
| ② No ~~w~~ crisis of conscience | ② Against political masters wishes - punishment |

③ Explaining protestors the environmental benefits of project, asking for providing inputs to reduce deforestation and finally going with project

| Merit | Demerit |
| --- | --- |
| ① Resolving disagreement | ① Against environment |
| ② project dev | ② loss of local people |

www.visionias.in

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Chosen options

1) Explaining benefits of project to people
↳ how, it helps environment

2) Going for "EIA" and taking perspective of people to bring change in project to reduce deforestation

3) Also exploring "other suitable lands" which can be utilised. (If no land alternative ⇓)

4) Finally,
Going with project with making every effort to reduce its impact

Reasons

1) Poverty is also a polluter agent. Thus, development is necessary.

2) We must resolve disagreement and chose best possible land
↳ However, in the end we have to go with project, (It will reduce environment emission in long term)

3) Moreover, compensatory afforestation will try to address the present negative consequences

VisionIAS

Measures to balance urban need w/o envi impacts

1) Proper planning of cities so that natural forest, (deforestation) should not happen

2) Ensuring "relocation" of "trees" with new technology

3) New urban forests at proper place
(eg) urban van scheme of government

4) plantation at vacant lands, community lands

5) Strict environment impact assessment and people participation.

It should be noted that we need both environment and development. One is "mother", other is "father".
Thus, balancing is key.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

10. डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहनीयता पर बल दिया है।

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

**(a)** उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
**(b)** डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
**(c)** उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

**(a)** Identify the stakeholders in the above case study.
**(b)** Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
**(c)** Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

This is case where any procedural failure may have serious repercussion but delay in release of products will also threaten right to life of people

Stakeholders
- → Mr. Mehra and his team
- → People suffering from rare diseases
- → Board of director of company
- → Government (its rules, regulation)
- → Society and common people

Ethical issues faced by Dr. Mehra

1) Early release of drugs for saving life of people → Right to life

2) Accountability towards board of director

3) If any adverse impact → People's health will be compromised

4) Long term adverse impact
- → loosening of "trust" of people over Dr. Mehra
- → compromise with "Brand" value

5) Release of product w/o proper procedure
↳ violation of govt regulation

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(I) Crisis of conscience in Mr. Mehra.

if ~~release of product~~ he releases product.

**Options available**

1) Release of product –

| | |
|---|---|
| Positive | – Solving rare disease problem |
| Negative | – long term impacts |

2) Not releasing product and ensuring proper procedural checks → (Resolving concern)

| Merit | Demerit |
|---|---|
| 1) Following govt rules | 1) Delay |
| 2) Resolving serious repercussion | 2) pressure from BOD |

**Option chosen by Mr. Mehra**

1) Strict "No" to release of product if all concerns are not resolved

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2) Explaining "position" to Board of direction

3) Trial of their medicine on vulnerable people after complete approval from Government / Taking "consent" from people.

⇓

Such trial can be used for those who are suffering seriously

**Reasons**

1) Following "Medical ethics" is fundamental

2) Solving one problem may lead to serious problem in long term ⇒ It will create distrust of people even for correct medicine

3) Pilot project only for people having severe diseases and no chance of living life < only with government approval"

"Trust" is fundamental. It can't be breached. Mr. Mehra should not compromise with trust by releasing product



VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

11. आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेट्री के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्त्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रकों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

**(a)** इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

**(b)** उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

**(c)** आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,



VisionIAS

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

**(a)** Discuss the ethical issues involved in this case.
**(b)** How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
**(c)** What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

This is the case study where negative work culture of org. where seniors is taking credit of junior employee

Ethical issues

1) lack of enthusiasm by collegue/superiors
↳ No dedication to service

2) Superior taking credit of my work
↳ kind of "stealing" one's hard work

3) Demotivating work culture → absorb honest civil servants.

4) Superiors → Not working as only 6

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Mentality of retirement ⇒ [looking only for narrow interests]

(5) Disappointment of myself may compromise with pace of my project ⇒ wellbeing of people

[B] Role of (–) work culture ⇒ compromising morale/productivity

1) Reduces the Motivation of honest officers
2) Taking [Reward] of hardwork of person.
3) Creating a [work culture] where people working for the sake of "Salary"
↳ No dedication/vision
4) It snatches work pride/ownership
5) It explains poor democratisation/ poor leadership ⇒ acting as obstructionist in front of honest people.



VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(c) options available

(1) Explaining the "correct report" to higher authority | complaining from superiors

(2) Not doing anything | leaving the dedication of the project, as credit won't be given

(3) Remain committed to project with same zeal | No action against superior

Chosen option

Option 3 → continuous commitment to project | No action against superior

Reasons

1) Anonymity is an important value of administration.

2) Civil servants should be doers by looking benefits from public service, (Not credit given by superior)

3) Serving citizen with dedication is most satisfying things

4) Even in long term, if project succeed,

VisionIAS

everyone will know who was behind project.

As krishna says in Geeta, Do your duty with expecting reward. That should be mantra for me.

—— a ——

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

12. अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin



VisionIAS

(a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.
(b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why?(Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

It is a classic case where environment is getting exploited due to nexus among different people.

Ethical issues

1) Compromise with integrity, honesty as seen in above case

2) corruption → funding to political party

3) violation of environmental ethics

4) No rule of law / No accountability
↳ policy based on political patronage

5) compromises with larger interest of people → public well being

6) Against "constitutional morality"
↳ justice → social, economic

7) In absence of equality, justice
↳ Restless, chaos in society in long term ⇒ protest by people

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(8) It will reduce legitimacy / trust of people

(B)

**Options available to Arun**

1) Exposing chairperson through complaint to seniors / CM → giving evidences to media.

2) Not taking any action, as it is against his career interest.

3) Confronting chairperson → asking for another report guided with objective analysis.

(C) **Options chosen by Arun**

3) Confronting chairperson - - - -

**Approach**

(A) Is confronting chairperson / asking to new reports

If say **NO** → Approaching Ministers →

If say **Yes** → 2nd EIA with objectivity

VisionIAS

Explaining severe repurcussion on environment/people.

(B) However, Arun should not go for Media as he will become tool of opposition.

Instead,
he should issue notice for Environment impact assessment of Plant with courage of conviction.

Reasons

1) Arun is accountable to constitution (oath of constitution)
2) Saving people is top most priority
3) Political tool of opposition will reduce his legitimacy
4) Environment → Right to clean envi – Article 21

Mata Bhumi putro Aham prithviyah
< I am the son of mother earth >
That should be guiding line for Arun.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

# SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

## SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS